



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—लग्ज

PART I—Section 1

[प्राधिकार से प्रकाशित]

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137]

नई विल्सी, बुधवार, प्रारम्भ 12, 1970/श्रावण 21, 1892

No. 137]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 12, 1970/SRAVANA 21, 1892

इस भाग में भ्रष्ट पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 12th August, 1970

SUBJECT:—Dock strike in U.K.— revalidation of import licences.

No. 119-ITC(PN)/70.—It has been represented that the shipment of goods from the U.K. Ports have been delayed on account of the dock strike in that country commencing from the 15th July, 1970, and that the validity of import licences should be extended.

2. The matter has been considered and it has been decided that in order to facilitate the shipment of goods from the ports in U.K. against the import licences, which may have expired during the strike period, or are likely to expire soon thereafter, the validity of all such import licences may be deemed to have been extended upto the 30th September, 1970. No endorsement to this effect on the licences, by the licensing authority concerned is necessary. The licensee should approach the customs authorities direct and satisfy them that the shipment was held up at the ports in U.K. due to the said strike.

3. No grace period beyond the extension granted in this Public Notice will be allowed.

R. J. REBELLO,
Chief Controller of Imports and Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1970

विषय :— यू० के० में गोदी हड्डताल—आयात लाइसेंसों का पुनर्बंधन।

सं० 119-प्राई० ट्र० सी० (पी० एम०) / 70 इसका प्रतिनिधित्व कर दिया गया है कि यू० के० में 15 जूलाई, 1970 से चलने वाली गोदी हड्डताल के कारण यू० के० बन्दरगाहों से माल का पोतलदान करने में देर हो गई है और इस लिए आयात लाइसेंसों की वैद्य अवधि बढ़ाई जानी चाहिए।

2. मामले पर विचार किया गया है और यह निश्चय किया गया है कि उन आयात लाइसेंसों के विपरीत जो हड्डताल की अवधि मैसमान हो चुके हैं या उसके बावजूद उनकी समर्पित हो जाने की सम्भावना है, यू० के० बन्दरगाहों से माल के पोतलदान को सुकर बनाने के लिए, इस प्रकार के सभी लाइसेंसों की वैद्य अवधि 30 मिसम्बर, 1970 तक बढ़ाई गई है, ऐसा समझा जाय। सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा इसके लिए लाइसेंसों पर पृष्ठाकान की आवश्यकता नहीं है। लाइसेंसधारी को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों से सीधे ही समर्क स्थापित करना चाहिए और उनको इस बात से मनुष्ट करना चाहिए कि उपर्युक्त हड्डताल के कारण हमारा पोतलदान यू० के० बन्दरगाहों पर रुका पड़ा था।

3. इस सार्वजनिक सूचना में बढ़ाई गई अवधि में अधिक अवधि वृद्धि की अनुकूल्या नहीं दी जाएगी।

आर० जे० रवैसों,

मुख्य नियंत्रक आयात नियंत्रि ।